



नेशनल रिसर्च फाउंडेशन

चर्चा में क्यों ?

- ◆ यदि प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली के माध्यम से वित्त पोषण दुनिया भर में इतना प्रचलित है, तो भारत में अनुसंधान एवं विकास पर सार्वजनिक वित्त पोषण का इतना कम प्रतिशत क्यों है?
- ◆ भारत को एक मजबूत प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली की आवश्यकता है, जैसा कि NEP - 2020 द्वारा प्रस्तावित किया गया है। संस्थानों/विश्वविद्यालयों/मेडिकल स्कूलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020

- ◆ राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने हेतु K. कस्तूररंगन की अध्यक्षता में 8 सदस्यीय समिति का 2017 में गठन किया गया।
- ◆ समिति की सिफारिशों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 (NEP-2020) के रूप में प्रकाशित किया गया।
- ◆ रिपोर्ट में उच्च शिक्षा प्रणाली में खामियों पर प्रकाश डाला गया है, जिनमें सबसे प्रमुख है विषयों और क्षेत्रों की कठोर सीमाएं, हजारों स्टैंड-अलोन संस्थान, अधिकांश विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शोध का अभाव और एक पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी सहकर्मी की कमी।
- ◆ अनुसंधान वित्त पोषण प्रणाली NEP-2020 की प्रमुख सिफारिशों में से एक उच्च शिक्षा से जुड़े विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास के लिए प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली का प्रबंधन करने के लिए एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (NRF) की स्थापना थी।
- ◆ हाल ही में केंद्र सरकार ने NRF की स्थापना को मंजूरी दी है। इसमें अगले 5 वर्षों के लिए शोध हेतु 50,000 करोड़ रुपये के बजट की परिकल्पना की गई है।
- ◆ केंद्र सरकार का योगदान 14,000 करोड़ रुपये आंका गया है, जबकि शेष 36,000 करोड़ सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, उद्योग, फाउंडेशन और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों से जुटाए जाएंगे।
- ◆ DST से जुड़े साइंस इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (SERB) को NRF में बदलने का प्रस्ताव दिया गया है।
- ◆ SERB एक ऐसी प्रणाली है जिसके माध्यम से बाह्य सहायता प्रदान की जाती है जो प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली के समान है। SERB का वर्तमान वार्षिक बजट लगभग 1,000 करोड़ रुपये है, इसलिए सरकार द्वारा प्रतिबद्ध अतिरिक्त धनराशि एक वर्ष में लगभग 2,000 करोड़ रुपये होगी।

NRF स्वीकृति का मुख्य लक्ष्य

- ◆ NRF अनुसंधान और विकास (R&D) को बढ़ावा देगा एवं विकसित करेगा।
- ◆ पूरे भारतीय विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, संस्थानों और अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देगा।
- ◆ यह आवश्यकता-आधारित अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा और विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान का समर्थन करने में मदद करेगा।

क्या NRF की स्थापना महत्वपूर्ण कदम है ?

- ◆ इसके लिए फंडिंग की वर्तमान स्थिति की वास्तविकता की जाँच आवश्यक है।
- ◆ वर्तमान में, अनुसंधान एवं विकास के लिए सरकारी धन दो तरीकों से खर्च किया जा रहा है - मुख्य अनुदान और बाह्य अनुदान।
- ◆ अधिकांश व्यय मुख्य अनुदान के माध्यम से होता है।
- ◆ फंडिंग के तीन प्रमुख प्राप्तकर्ता - DRDO(31.8 %), DOS (19.1 %), और DAE (11.3 %) लगभग पूरी तरह से मुख्य अनुदान के साथ काम करते हैं।
- ◆ अगले पांच प्राप्तकर्ता ICAR (10.4 %), CSIR (9.5 %), DST (8.4 %), DBT (3.4 %), और ICMR (2.5 %) खुला अनुसंधान करते हैं, जिनमें से सभी को मुख्य अनुदान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।
- ◆ SERB और DBT के माध्यम से केवल DST अपने आवंटन का कुछ हिस्सा बाह्य समर्थन पर खर्च करता है। 2016-17 में, लगभग 4,711 परियोजनाओं को निधि देने के लिए अतिरिक्त अनुदान पर लगभग 2,454 करोड़ रुपये (अनुसंधान एवं विकास पर कुल व्यय का 5.8 प्रतिशत) खर्च किए गए थे।
- ◆ इस छोटी सी राशि ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों, कृषि विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, डीम्ड विश्वविद्यालयों, IISc और IIT जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और यहाँ तक कि राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं सहित राज्य विश्वविद्यालयों की अनुसंधान एवं विकास आकांक्षाओं को पूरा किया।
- ◆ DST-SERB और DBT से अतिरिक्त अनुदान देश में विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास के लिए जीवन रेखा रहा है।
- ◆ भारत को एक मजबूत प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली की आवश्यकता है जैसा कि NEP-2020 द्वारा प्रस्तावित किया गया है।
- ◆ हालाँकि, अतिरिक्त अनुदान के तहत समग्र धनराशि स्थिर बनी हुई है। इससे डॉक्टरेट स्तर का प्रशिक्षण ख़राब हो गया है जिसके देश पर बहुत गंभीर परिणाम हुए हैं।
- ◆ एक प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली नए और उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान में तेजी लाने के लिए आवश्यक छूट प्रदान करती है जहाँ अंतःविषयता महत्वपूर्ण है और इसका उपयोग संस्थानों के बीच, संस्थानों और उद्योग के बीच, और देशों में सहयोग के लिए किया जा सकता है। पूर्वी एशिया के लगभग सभी विकसित देशों और नई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मजबूत प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली है।

- ◆ हाल ही में DST-SERB और DBT द्वारा संचालित एक्स्ट्रामुरल सिस्टम को किस चीज ने खराब कर दिया है, इसका उल्लेख करना जरूरी है। कोविड वर्ष 2020-21 में विभिन्न S & T विभागों द्वारा व्यय में गिरावट समझ में आती है, लेकिन 2021-22 में धन का कम उपयोग एक स्वयं-प्रदत्त त्रासदी रहा है।
- ◆ भारत के घरेलू उत्पाद का केवल 0.65% निवेश (जनता द्वारा 0.41% और निजी फंडिंग द्वारा 0.24%) पूर्वी एशिया की विकसित और नई उभरी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा किए जा रहे निवेश (GDP के 2% से अधिक) की तुलना में बहुत कम है।
- ◆ विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और कृषि से संबंधित हमारी अकादमियों ने 2022 में केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी जिसमें अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए कुछ प्रासंगिक सुझाव शामिल थे।
- ◆ इन सुझावों पर वैज्ञानिक समुदाय के भीतर प्रक्रियात्मक परिवर्तनों पर चर्चा के साथ-साथ अधिक व्यापक रूप से चर्चा करने की आवश्यकता है जो NRF द्वारा संचालित प्रतिस्पर्धी अनुदान प्रणाली को एक बड़ी सफलता बनाएगी।
- ◆ प्रधानमंत्री NRF के गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्षता कर रहे हैं। NRF प्रशासन का पहला कार्य परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए एक समयबद्ध, ICT-आधारित प्रणाली को लागू करना है।

